Title: Requested to take appropriate steps regarding misappropriation of fund allocated for the teachers working in schools under the Coal India Limited.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कोल इंडिया की आनुसंगिक कम्पनियों में कार्यरत शिक्षकों की बहाली के सम्बन्ध में सदन का ध्यान आकृट करना चाहता हूं। इस मद में लगभग 28 करोड़ रुप्या प्रतिर्वा आबंटित किया जाता है, जिसमें केवल 4 करोड रूप्ये इन शिक्षकों को दिया जा रहा है । वर्तमान में यह पैसा किस मद में खर्च हो रहा है, इसकी जानकारी बहुत कम लोगों को शायद होगी।

वहां पर जो शिक्षक कार्यरत हैं, उनकी स्थिति बंधुआ मजदूरों जैसी है। उनको लगभग 800 रुपए प्रति माह वेतन के रूप में मिलते हैं। जो अधिकारी हैं, उनके बच्चों के लिए बड़े-बड़े स्कूल खुले हुए हैं, लेकिन मजदूर तबके के बच्चों के लिए जो विद्याल्य हैं उनमें पढ़ाने वाले शिक्षकों की तनख्वाह बहुत कम है। 1993 से ये लोग धरने पर बैठे हुए हैं। जब संगमा जी कोयला मंत्री थे तो उनके जमाने में भी आबंटन किया था। मेरा आपसे अनुरोध है कि इस पर उचित कार्यवाही कराएं।